चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 24 जुलाई 2026, अंक –319.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

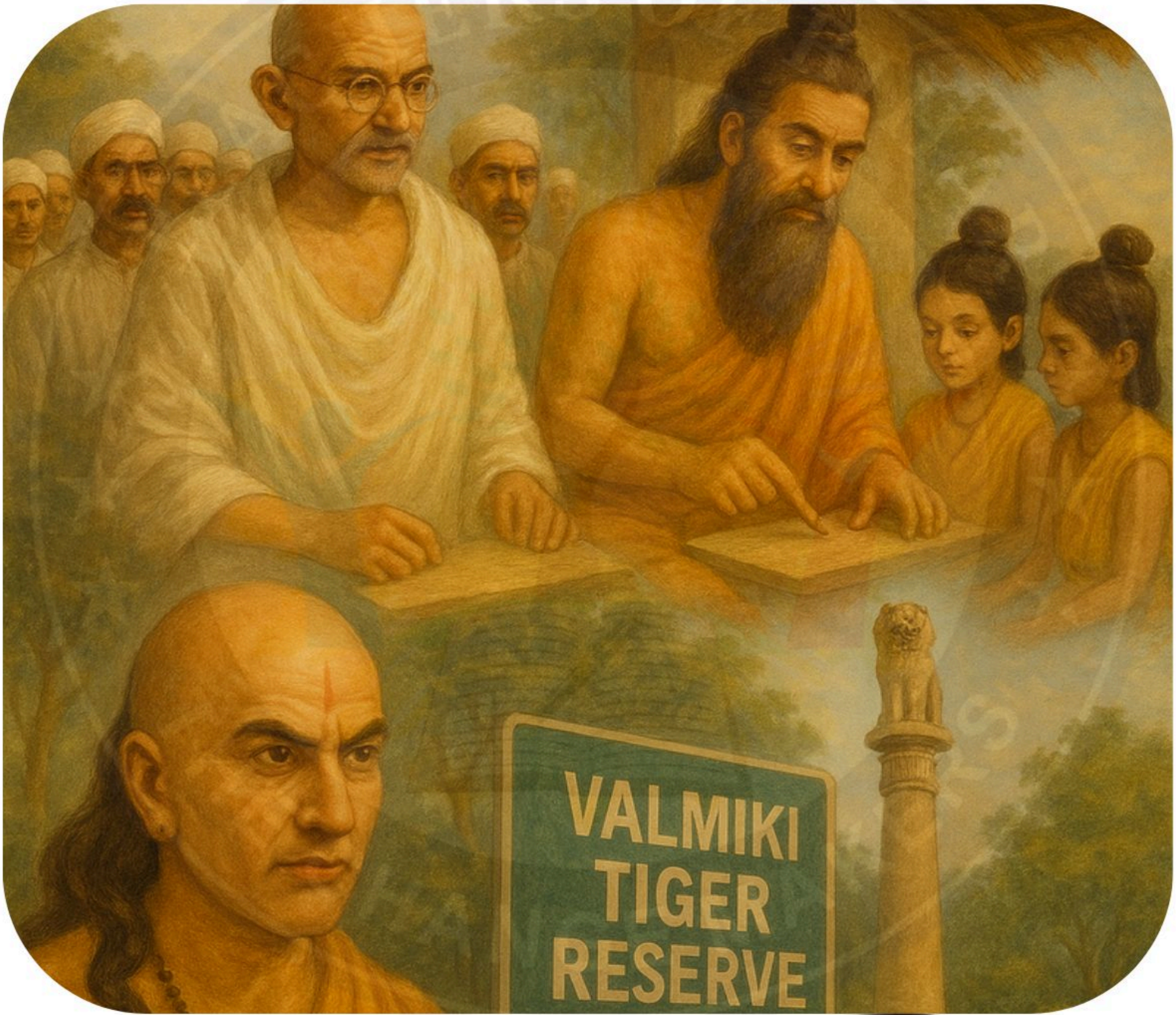

"अनुभव ही सर्वोत्तम शिक्षक है।"

— अरस्तू

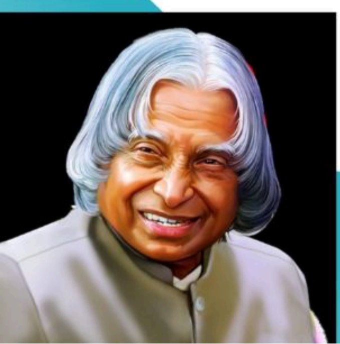

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

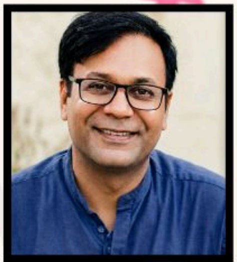

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. वियतनाम की राजधानी क्या है?
उत्तर: हनोई
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कौन थीं?
उत्तर: कल्पना चावला
प्रश्न 3. 'डोल्लू कुनिथा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 144 का वर्गमूल (Square Root) क्या है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'मंजूषा कला' किस क्षेत्र से संबंधित है?
उत्तर: अंग क्षेत्र
प्रश्न 6. कूनो राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. भाप इंजन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किसका माना जाता है?
उत्तर: जेम्स वाट
प्रश्न 8. भारत में राष्ट्रपति का चुनाव कौन करता है?
उत्तर: निर्वाचक मंडल
प्रश्न 9. 'नया' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: पुराना
प्रश्न 10. पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन है?
उत्तर: चंद्रमा

संकलन:-
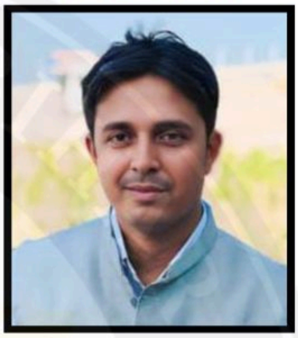
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

T-shirt – (टी-शर्ट) – टी-शर्ट
Skirt – (स्कर्ट) – स्कर्ट
Dress – (ड्रेस) – पोशाक / कपड़ा
Jacket – (जैकेट) – जैकेट
Sweater – (स्वेटर) – स्वेटर
Scarf – (स्कार्फ) – गले का कपड़ा / मफलर
Glove – (ग्लव) – दस्ताना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “वह ... करेगा/करेगी” (He/She will ...)

वह कल पढ़ेगा। – He will study tomorrow.
वह तुम्हारी मदद करेगा। – He will help you.
वह समय पर आएगा। – He will come on time.
वह अपना काम पूरा करेगा। – He will finish his work.
वह अंग्रेज़ी सीखेगा। – He will learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 24 जुलाई को भारत में कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: आयकर दिवस (Income Tax Day)
व्याख्या: 24 जुलाई 1860 को ब्रिटिश भारत में पहली बार "आयकर" (Income Tax) लागू किया गया था — इसीलिए 24 जुलाई को भारत में "आयकर दिवस" मनाया जाता है। यह सर जेम्स विल्सन द्वारा 1857 के विद्रोह के पश्चात् ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की राजकोषीय हानि की भरपाई हेतु लागू किया गया था। आधुनिक भारत में आयकर "आयकर अधिनियम, 1961" द्वारा शासित होता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) इसका नियामक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह ₹22 लाख करोड़ से अधिक रहा। इस दिवस का उद्देश्य करदाताओं की सेवाओं में सुधार और कर-अनुपालन को प्रोत्साहित करना है।
संदर्भ: Income Tax Department India — incometax.gov.in;

प्र.2. भारत का पहला डेंगू टीका "QDENGA" 20 जुलाई 2026 को DCGI द्वारा अनुमोदित किया गया — यह टीका किस प्रकार का है, किस आयु वर्ग के लिए स्वीकृत है और इसकी प्रमुख विशेषता क्या है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: जीवित-क्षीण चतुर्संयोजक टीका; 4-60 वर्ष; चारों डेंगू सीरोटाइप से सुरक्षा, पूर्व संक्रमण अनिवार्य नहीं
व्याख्या: DCGI ने 20 जुलाई 2026 को QDENGA (Takeda) को भारत का पहला डेंगू टीका के रूप में बाजार प्राधिकरण (Form CT-20) प्रदान किया। यह 4 से 60 वर्ष की आयु के लिए स्वीकृत है। QDENGA एक जीवित-क्षीण चतुर्संयोजक (live-attenuated tetravalent) डेंगू टीका है जो पुनर्संयोजी DNA तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया है। यह डेंगू वायरस टाइप-2 बैकबोन पर आधारित है जिसमें अन्य तीनों डेंगू सीरोटाइप के सतह प्रोटीन के जीन डाले गए हैं। दो खुराकें (0.5 मिली), तीन माह के अंतराल पर दी जाएंगी। पूर्व संक्रमण का परीक्षण आवश्यक नहीं। WHO प्री-क्वालिफाइड और 43 देशों में स्वीकृत। भारत वैश्विक डेंगू भार का लगभग 34% वहन करता है।
संदर्भ: legacyias.com India First Dengue Vaccine QDENGA, 22 July 2026;

प्र.3. "शब्दलोक" (Shabdalok) संग्रहालय क्या है, यह कहाँ स्थापित किया गया और इसमें कितनी भारतीय भाषाओं का प्रदर्शन है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: भारत का पहला भाषा संग्रहालय; राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता; लगभग 380 भाषाएँ
व्याख्या: "शब्दलोक" (Shabdalok — Museum of Word) भारत का पहला "भाषा का संग्रहालय" है जिसे राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता में संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसमें नौ दीर्घाएँ (galleries) हैं जो लगभग 380 भारतीय भाषाओं को प्रदर्शित करती हैं, जिनमें 2011 की जनगणना में दर्ज 121 भाषाएँ और कई लुप्तप्राय भाषाएँ सम्मिलित हैं। संग्रहालय डिजिटल प्रदर्शन, होलोग्राम, AR/VR, मोशन सेंसर और ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुतियों जैसी तकनीकों का उपयोग करता है। यह संग्रहालय प्रश्न भारत की "भाषाई विविधता" विषय पर है। संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं जबकि भारत में वास्तव में 1600 से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं।

प्र.4. "संरक्षित वन" (Reserved Forest), "संरक्षित वन" (Protected Forest) और "ग्राम वन" (Village Forest) में क्या अंतर है — और भारत में वन क्षेत्र किस कानून द्वारा शासित होता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: आरक्षित वन — सर्वाधिक प्रतिबंधित; संरक्षित वन — सीमित अधिकार; ग्राम वन — ग्राम प्रबंधन; भारतीय वन अधिनियम 1927
व्याख्या: भारतीय वन अधिनियम, 1927 के अंतर्गत वनों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: (1) आरक्षित वन (Reserved Forest): सर्वाधिक संरक्षित श्रेणी — यहाँ लकड़ी काटना, चराई, शिकार आदि पूर्णतः प्रतिबंधित है; (2) संरक्षित वन (Protected Forest): इसमें सरकार कुछ सीमित उपयोग की अनुमति दे सकती है; (3) ग्राम वन (Village Forest): राज्य सरकार इन्हें ग्राम समुदायों को प्रबंधन हेतु सौंप सकती है। भारत में लगभग 54% वन "आरक्षित वन" की श्रेणी में हैं। "वन संरक्षण अधिनियम, 1980" वनभूमि के गैर-वानिकी उपयोग को नियंत्रित करता है। भारत का कुल वन आवरण (Forest Cover) 2021 में 7,13,789 वर्ग किमी था।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 89–91;

प्र.5. "ब्रिटिश भारत में भूराजस्व व्यवस्था" के अंतर्गत "रैयतवाड़ी प्रणाली" (Ryotwari System) क्या थी — यह किस क्षेत्र में लागू थी और "स्थायी बंदोबस्त" से कैसे भिन्न थी? (इतिहास)
उत्तर: किसान सीधे सरकार को राजस्व देते थे; मद्रास और बॉम्बे; ज़मींदार मध्यस्थ नहीं
व्याख्या: "रैयतवाड़ी प्रणाली" (Ryotwari System) में किसान (रैयत) सीधे सरकार को भूराजस्व देते थे — बिना किसी ज़मींदार या बिचौलिए के। यह मुख्यतः मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी में लागू की गई। इसे थॉमस मुनरो ने मद्रास में और माउंटस्टुअर्ट एल्फिंस्टन ने बॉम्बे में लागू किया। "स्थायी बंदोबस्त" (1793, बंगाल) में ज़मींदार मध्यस्थ थे जबकि "रैयतवाड़ी" में किसान स्वयं भूस्वामी होते थे किंतु राजस्व दर अत्यधिक थी। "महलवाड़ी प्रणाली" उत्तर-पश्चिम भारत में लागू तीसरी प्रणाली थी जिसमें पूरे गाँव (महल) के साथ बंदोबस्त होता था।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 3 Ruling the Countryside, p. 35–37.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "23वें राष्ट्रमंडल खेल 2026" ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित हो रहे हैं — भारत के ध्वजवाहक कौन हैं और इस बार कुल कितने देश भाग ले रहे हैं? (भूगोल)

उत्तर: मीराबाई चानू और लवलीना बोर्गोहेन; 74 देश

व्याख्या: 23वें राष्ट्रमंडल खेल (Commonwealth Games 2026) ग्लासगो, स्कॉटलैंड में 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित हो रहे हैं। 74 राष्ट्रमंडल देशों के खिलाड़ी 10 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत की 120 सदस्यीय टीम में उद्घाटन समारोह में मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) और लवलीना बोर्गोहेन (मुक्केबाजी) ध्वजवाहक हैं। ग्लासगो ने इससे पूर्व 2014 में भी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। पहला राष्ट्रमंडल खेल 1930 में हैमिल्टन (कनाडा) में हुआ था। भारत ने 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी।

संदर्भ: currentaffairs.adda247.com Commonwealth Games 2026, 21 July 2026;

प्र.7. "राज्य नीति के निदेशक तत्वों" (DPSP) में से कौन से तत्व "गांधीवादी सिद्धांतों" पर आधारित हैं — इनमें से दो उदाहरण दीजिए। (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: ग्राम पंचायतें (अनु.40) और कुटीर उद्योग (अनु.43)

व्याख्या: भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों (DPSP) को उनकी प्रकृति के आधार पर तीन वर्गों में बाँटा जाता है: (1) समाजवादी, (2) गांधीवादी, (3) उदार-बौद्धिक। "गांधीवादी सिद्धांतों" पर आधारित DPSP में प्रमुख हैं: अनुच्छेद 40 — राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करेगा (स्थानीय स्वशासन गाँधीजी का स्वप्न था); अनुच्छेद 43 — राज्य कुटीर एवं घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देगा (गाँधीजी चरखा और ग्रामोद्योग को महत्व देते थे); अनुच्छेद 46 (SC/ST का उत्थान), अनुच्छेद 47 (मादक पेय निषेध), और अनुच्छेद 48 (गो-वध प्रतिबंध) भी गांधीवादी DPSP हैं।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 33–36;

प्र.8. "डेंगू" किस मच्छर के काटने से होता है, यह किस प्रकार के वायरस से होता है और इसके कितने सीरोटाइप हैं? (विज्ञान)

उत्तर: एडीज एजिप्टाई मच्छर; फ्लेविवायरस; चार सीरोटाइप (DEN-1, 2, 3, 4)

व्याख्या: डेंगू बुखार "एडीज एजिप्टाई" (Aedes aegypti) मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में काटता है और साफ पानी में पनपता है। डेंगू "फ्लेविवायरस" (Flavivirus) जीनस का RNA वायरस है जिसके चार अलग सीरोटाइप हैं: DEN-1, DEN-2, DEN-3 और DEN-4। एक सीरोटाइप से संक्रमण के बाद उसके प्रति आजीवन प्रतिरक्षा मिलती है किंतु दूसरे सीरोटाइप से पुनः संक्रमण पर "डेंगू हेमोरेजिक फीवर" (DHF) का खतरा बढ़ता है। QDENGA टीका चारों सीरोटाइप से सुरक्षा देता है। डेंगू नियंत्रण में "जल-संग्रह रोकना" सबसे प्रभावी उपाय है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms Friend and Foe, p. 16–19;

प्र.9. "भारत की लोक चित्रकला" में "वारली चित्रकला" (Warli Painting) किस राज्य की है और इसमें मुख्यतः किन ज्यामितीय आकारों का उपयोग होता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: महाराष्ट्र (ठाणे और पालघर क्षेत्र); त्रिभुज, वृत्त और वर्ग

व्याख्या: वारली चित्रकला (Warli Painting) महाराष्ट्र के ठाणे और पालघर जिलों में रहने वाले "वारली" आदिवासी समुदाय की एक प्राचीन लोक-चित्र परंपरा है। यह मुख्यतः मिट्टी की दीवारों पर चावल के घोल (सफेद रंग) से बनाई जाती है। इसमें मुख्यतः तीन ज्यामितीय आकार प्रयुक्त होते हैं: त्रिभुज (मानव शरीर — ऊपरी त्रिभुज छाती, निचला त्रिभुज कमर), वृत्त (सूर्य, चंद्रमा), वर्ग (पवित्र क्षेत्र)। इन आकारों से मानव, पशु, वृक्ष, नृत्य-उत्सव और ग्रामीण जीवन के दृश्य बनाए जाते हैं। 1970 के दशक में जीव्या सोमा माशे ने इसे राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसे GI Tag प्राप्त है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 145–147;

प्र.10. बिहार के "मुजफ्फरपुर जिले" में "लीची" (Litchi) की खेती विश्वप्रसिद्ध है — बिहार में लीची का GI Tag किस वर्ष मिला और इसकी कौन सी किस्म सर्वाधिक प्रसिद्ध है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: 2018 में; शाही लीची (Shahi Litchi)

व्याख्या: मुजफ्फरपुर को "लीची की राजधानी" कहा जाता है। बिहार की "शाही लीची" (Shahi Litchi) को 2018 में "GI Tag" (भौगोलिक संकेतक) प्राप्त हुआ। भारत विश्व में लीची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है (चीन के बाद) और बिहार देश का सर्वाधिक लीची उत्पादन करने वाला राज्य है। मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और हाजीपुर क्षेत्र में लीची बड़े पैमाने पर उगाई जाती है। शाही लीची अपने विशेष रस, सुगंध और पतले छिलके के लिए प्रसिद्ध है। 2014 में मुजफ्फरपुर में बच्चों में "एक्यूट एनसेफेलाइटिस सिंड्रोम" (AES) के प्रकोप को कच्ची लीची के सेवन से जोड़ा गया था।

संदर्भ: GI Registry India — Shahi Litchi 2018; Bihar Agriculture Department;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त माह में "भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल" प्रारंभ होता है — भूकंप की तीव्रता मापने के लिए कौन से दो पैमाने प्रयोग किए जाते हैं और इनमें क्या अंतर है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: रिक्टर पैमाना (ऊर्जा) और मर्केली पैमाना (प्रभाव); रिक्टर = परिमाण; मर्केली = तीव्रता
व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बच्चों और शिक्षकों को भूकंप मापन के बारे में बुनियादी जानकारी होनी चाहिए: (1) रिक्टर पैमाना (Richter Scale): चार्ल्स रिक्टर ने 1935 में विकसित किया। यह भूकंप की "परिमाण" (Magnitude) — अर्थात् भूकंप से निकली कुल ऊर्जा — मापता है। यह लघुगणकीय (logarithmic) पैमाना है — हर 1 अंक की वृद्धि से ऊर्जा 32 गुना बढ़ती है। (2) मर्केली पैमाना (Mercalli Scale): यह भूकंप के "तीव्रता" (Intensity) — अर्थात् किसी स्थान पर महसूस होने वाले प्रभाव — मापता है। यह I से XII तक होता है। बच्चों को बताएँ: रिक्टर पर 7+ का भूकंप अत्यंत खतरनाक होता है। भारत भूकंप के Zone II से V में विभाजित है — Zone V सर्वाधिक खतरनाक।
संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module — Vidyalaya Suraksha Karyakram August W1;

प्र.12. A, B से दोगुना काम करता है। यदि A और B मिलकर एक काम 12 दिन में पूरा करते हैं, तो A अकेले और B अकेले उस काम को कितने-कितने दिन में पूरा करेंगे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: A = 18 दिन; B = 36 दिन
व्याख्या: माना B की एक दिन की कार्यक्षमता = 1 इकाई, तो A की = 2 इकाई। A+B मिलकर एक दिन में = 2+1 = 3 इकाई। कुल काम = 12 × 3 = 36 इकाई। A अकेले समय = 36 ÷ 2 = 18 दिन। B अकेले समय = 36 ÷ 1 = 36 दिन। सत्यापन: A एक दिन में 1/18 काम और B एक दिन में 1/36 काम करता है। दोनों मिलकर = 1/18 + 1/36 = 2/36 + 1/36 = 3/36 = 1/12 काम प्रतिदिन → 12 दिन में पूरा ✓। "कार्य और समय" (Work and Time) प्रश्न BPSC, SSC, Railway एवं Bank PO परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 Direct and Inverse Proportions, p. 196–200;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

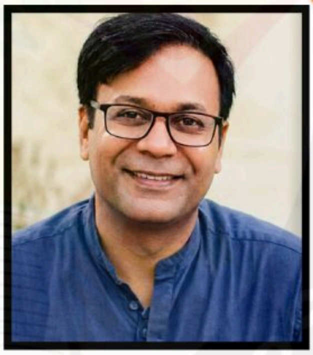

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Knavish (नेविश) = Dishonest (डिसऑनेस्ट) = धूर्त / कपटी
Antonym – Honest (ऑनेस्ट) = ईमानदार
Loquacious (लोक्वेशस) = Talkative (टॉकेटिव) = बातूनी / बहुत बोलने वाला
Antonym – Taciturn (टैसिटर्न) = अल्पभाषी / कम बोलने वाला
Malleable (मैलिएबल) = Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला / आसानी से ढलने वाला
Antonym – Rigid (रिजिड) = कठोर / अडिग
Nostalgia (नॉस्टैल्जिया) = Reminiscence (रेमिनिसेन्स) = अतीत की सुखद स्मृति / पुरानी याद
Antonym – Forgetfulness (फॉरगेटफुलनेस) = विस्मृति
Ostracize (ऑस्ट्रसाइज़) = Exclude (एक्सक्लूड) = बहिष्कार करना / अलग कर देना
Antonym – Include (इन्क्लूड) = शामिल करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Cyber Suraksha Grid 3.0' to Safeguard Critical Energy and Financial Digital Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने महत्वपूर्ण ऊर्जा और वित्तीय डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा ग्रिड 3.0' का अनावरण किया।
केंद्र सरकार ने डिजिटल सेवाओं और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को उन्नत साइबर खतरों से बचाने के लिए एक नया तकनीकी ढांचा अधिसूचित किया है। इस नीति के तहत, देश के प्रमुख पावर ग्रिडों, बैंकिंग सर्वरों और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) में एआई-संचालित रियल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम तैनात किए जाएंगे। सभी प्रमुख संस्थाओं के लिए नियमित सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Agriculture Index 2026', Highlighting Significant Adoption of Natural Farming Practices Across States.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत कृषि सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें राज्यों में प्राकृतिक खेती पद्धतियों के महत्वपूर्ण अपनाव को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में प्राकृतिक और रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देने के मामले में आंध्र प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस रिपोर्ट में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के प्रभाव, सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों के विस्तार और जैविक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि का विस्तृत मूल्यांकन किया गया है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Qualification Test of Indigenous Electric Propulsion System for Future Geo-Stationary Communication Satellites.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने भविष्य के भू-स्थिर संचार उपग्रहों के लिए स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम का योग्यता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने उपग्रह निर्माण तकनीक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह नया इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम उपग्रहों के रासायनिक ईंधन के वजन को काफी कम करेगा, जिससे प्रक्षेपण लागत में भारी कमी आएगी और कक्षा में उपग्रहों का जीवनकाल 15 वर्ष से अधिक बढ़ जाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Resolution Establishing Global Governance Framework for Ethical AI in Healthcare.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वास्थ्य सेवा में नैतिक एआई के लिए वैश्विक शासन ढांचा स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने चिकित्सा अनुसंधान, ई-स्वास्थ्य प्रणालियों और नैदानिक उपकरणों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जिम्मेदार उपयोग के लिए वैश्विक सुरक्षा मानकों को अपनाने पर सर्वसम्मति जताई। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य मरीज के डेटा की गोपनीयता और एल्गोरिथम पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank Releases 'Global Logistics and Trade Facilitation Report 2026', Citing Infrastructure Reforms in Emerging Markets.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक ने 'वैश्विक रसद और व्यापार सुगमता रिपोर्ट 2026' जारी की, जिसमें उभरते बाजारों में बुनियादी ढांचा सुधारों की सराहना की गई।
विश्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं द्वारा बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण के लिए उठाए गए कदमों को रेखांकित किया गया है। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और त्वरित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के कारण आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) में वैश्विक सुधार दर्ज किया गया है।

English Headline: International Renewable Energy Agency (IRENA) Unveils 'Global Offshore Wind Roadmap 2030' to Support Marine Green Energy Trade.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (IRENA) ने समुद्री हरित ऊर्जा व्यापार का समर्थन करने के लिए 'वैश्विक अपतटीय पवन रोडमैप 2030' का अनावरण किया।
वैश्विक स्तर पर नेट-जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में IRENA ने अपतटीय (ऑफशोर) पवन ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए एक विस्तृत रणनीति जारी की है। इस रोडमैप के तहत तटीय देशों में फ्लोटिंग विंड टर्बाइन विकसित करने और सीमा पार हरित ऊर्जा ट्रांसमिशन को सुगम बनाने पर बल दिया गया है।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Department of Sugarcane Development Approves Modernization Support for Ethanol Plants and Agri-Processing Clusters in Western Champaran.
हिन्दी अनुवाद: बिहार गन्ना विकास विभाग ने पश्चिम चंपारण में इथेनॉल संयंत्रों और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों के आधुनिकीकरण सहायता को मंजूरी दी।
राज्य में हरित ऊर्जा उत्पादन और कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत बायो-इथेनॉल विनिर्माण इकाइयों के विस्तार के साथ-साथ स्थानीय किसानों को गन्ने का समय पर भुगतान और उन्नत किस्मों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

English Headline: Bihar State Health Society Launches 'Digital Swasthya Bihar 2.0' to Strengthen Tele-Medicine and Electronic Health Records at PHC Level.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) स्तर पर टेली-मेडिसिन और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को मजबूत करने के लिए 'डिजिटल स्वास्थ्य बिहार 2.0' लॉन्च किया।
ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की सुलभता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपने डिजिटल नेटवर्क का विस्तार किया है। इसके अंतर्गत प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों को सीधे जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों से जोड़ा जाएगा, जिससे त्वरित निदान और ई-प्रिस्क्रिप्शन की सुविधा मिलेगी।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Team Secures Top Position in the Medal Tally at the ISSF Junior World Cup Stage with Strong Pistol Performance.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी टीम ने पिस्टल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय निशानेबाजों का दबदबा जारी है। जूनियर विश्व कप में भारतीय दल ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदक जीतकर तालिका में पहला स्थान हासिल किया, जो आगामी सीनियर वैश्विक आयोजनों के लिए मजबूत आधार प्रदर्शित करता है।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Announces Enhanced Structural Guidelines for Tournament Player Welfare and Workload Management.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों के कल्याण और कार्यभार प्रबंधन के लिए उन्नत संरचनात्मक दिशानिर्देशों की घोषणा की।
अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की चोटों से सुरक्षा और प्रदर्शन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बीडब्ल्यूएफ (BWF) ने नए नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत रिकवरी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

स्वाध्याय की शक्ति

कहा जाता है कि एक प्रसिद्ध विद्वान के पास दो शिष्य शिक्षा प्राप्त करते थे। दोनों प्रतिदिन गुरुजी की कक्षा में बैठते, ध्यान से सुनते और सभी प्रश्नों के उत्तर भी दे देते थे।

कुछ वर्षों बाद गुरुजी ने दोनों की अंतिम परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने दोनों को एक-एक कठिन विषय दिया और कहा, “एक महीने बाद आकर इसे समझाना।”

एक शिष्य ने सोचा, “गुरुजी तो बाद में समझा ही देंगे।” उसने समय खेलकूद और इधर-उधर की बातों में बिताया।

दूसरे शिष्य ने प्रतिदिन पुस्तकें पढ़ीं, नोट्स बनाए, शब्दकोश देखा, अनेक प्रश्न स्वयं हल किए और जो समझ में नहीं आया, उसके लिए अलग से प्रश्न लिखता गया। उसने स्वयं पढ़ने और समझने का अभ्यास जारी रखा।

एक महीने बाद दोनों गुरुजी के सामने पहुँचे।

पहला शिष्य कुछ ही प्रश्नों के उत्तर दे पाया। दूसरा शिष्य न केवल पूरे विषय को सरलता से समझा रहा था, बल्कि उसके प्रश्नों के उत्तर भी आत्मविश्वास के साथ दे रहा था।

गुरुजी मुस्कुराए और बोले, “मैंने तुम दोनों को समान शिक्षा दी थी। अंतर केवल एक बात का है—एक ने केवल पाठ पढ़ा, दूसरे ने स्वाध्याय किया।”

फिर गुरुजी ने कहा, “शिक्षक ज्ञान का मार्ग दिखाता है, लेकिन उस मार्ग पर चलना विद्यार्थी का अपना प्रयास होता है। जो स्वयं पढ़ने की आदत विकसित कर लेता है, उसका ज्ञान दिन-प्रतिदिन बढ़ता जाता है।”

उस दिन दोनों शिष्यों ने समझ लिया कि कक्षा में पढ़ना आवश्यक है, परंतु स्वाध्याय ही ज्ञान को स्थायी बनाता है।

प्रेरणा : स्वाध्याय वह दीपक है, जो दूसरों के सहारे नहीं, बल्कि स्वयं के प्रयास से ज्ञान का प्रकाश फैलाता है।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: स्व-आकलन और शिक्षक डायरी — अपने अनुभव से स्वयं को निखारना

शिक्षक साथियों, अक्सर जब हम किसी शैक्षणिक समस्या से जूझते हैं—जैसे बच्चे नियमित रूप से गृहकार्य पूरा नहीं कर रहे हैं, गणित में शून्य (0) की अवधारणा नहीं समझ पा रहे हैं, या भाषा की कक्षा में मौन पठन करते समय ध्यान भटक रहा है—तो हम किसी बाहरी विशेषज्ञ या नए नियम की प्रतीक्षा करने लगते हैं। लेकिन क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) कहता है कि अपनी कक्षा की समस्या को सबसे बेहतर वही समझ सकता है जो रोज़ उस समस्या से रू-ब-रू होता है—यानी स्वयं शिक्षक।

बड़े-बड़े विश्वविद्यालयी शोधों (Fundamental Research) और क्रियात्मक अनुसंधान में यही मूल अंतर है: विश्वविद्यालयी शोध का उद्देश्य नए सिद्धांतों को जन्म देना होता है, जबकि क्रियात्मक अनुसंधान का उद्देश्य 'अपनी ही तात्कालिक शैक्षणिक समस्या का स्थानीय स्तर पर व्यावहारिक समाधान खोजना' होता है। इसमें कोई भारी-भरकम वित्तीय बजट या बड़े आंकड़ों की आवश्यकता नहीं होती; बस एक शिक्षक की वैज्ञानिक सोच और व्यवस्थित प्रयास ही काफी होता है।

क्रियात्मक अनुसंधान के 5 क्रमिक चरण

किसी भी क्रियात्मक अनुसंधान को अपनी कक्षा में लागू करने के लिए हम इन पाँच आसान चरणों को अपनाते हैं:

1 समस्या की पहचान एवं परिसीमन

चरण 1 - समस्या बहुत व्यापक न होकर एकदम सटीक और केंद्रित हो। जैसे: "कक्षा 3 के बच्चों द्वारा हिंदी पठन के दौरान 'इ' और 'ई' की मात्राओं का सही उच्चारण न कर पाना।"

2 कारणों का विश्लेषण

चरण 2 - यह समझना कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या बच्चों को ध्वनि-संकेतों (Phonics) का ज्ञान नहीं है, क्या वे घर पर अभ्यास नहीं करते, या टीएलएम का अभाव है?

3 क्रियात्मक उपकल्पना (Hypothesis) का निर्माण

चरण 3 - एक संभावित समाधान या अनुमान बनाना। जैसे: "यदि बच्चों को 'ध्वनि खेल' और 'सचित्र कार्ड्स' की मदद से रोज़ 10 मिनट अभ्यास कराया जाए, तो मात्राओं का भ्रम दूर हो सकता है।"

4 कार्य योजना एवं क्रियान्वयन

चरण 4 - अपनी बनाई योजना पर 2 से 3 सप्ताह तक कक्षा में व्यवस्थित रूप से काम करना, टीएलएम का उपयोग करना और प्रतिदिन के बदलावों को नोट करना।

5 मूल्यांकन एवं निष्कर्ष

चरण 5 - यह देखना कि क्या योजना लागू करने के बाद बच्चों के स्तर में सुधार हुआ? यदि हाँ, तो उस नवाचार को अपनी शिक्षण प्रक्रिया का स्थायी हिस्सा बना लेना।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी प्राथमिक विद्यालय की कक्षा के एक बहुत ही व्यावहारिक उदाहरण से समझते हैं:

- समस्या (Problem): कक्षा 4 के 15 बच्चे गणित में 'उधार/हासिल वाले घटाव' (Subtraction with Regrouping) के सवालों को बार-बार गलत कर रहे हैं।
- कारणात्मक विश्लेषण: शिक्षक ने पाया कि बच्चे संख्याओं को केवल अंकों के रूप में देख रहे हैं; उन्हें दहाई का बंडल खोलकर इकाई में बदलने का भौतिक अनुभव नहीं है।
- नवाचार/कार्य योजना (Action): शिक्षक ने अगले 10 दिनों के लिए माचिस की तीलियों के बंडलों (TLM) और 'स्थानीय मान चार्ट' का प्रयोग करते हुए एक नया अभ्यास सत्र तैयार किया। बच्चों ने खुद 1 दहाई को 10 इकाइयों में तोड़कर सवाल हल किए।
- परिणाम (Result): 10 दिनों के बाद लिए गए एक छोटे से परीक्षण में 15 में से 13 बच्चों ने हासिल वाले घटाव के सवाल बिल्कुल सही हल किए। समस्या का वैज्ञानिक समाधान मिल गया!

शिक्षक साथियों, क्रियात्मक अनुसंधान हमें केवल एक 'पाठ पढ़ाने वाला कर्मचारी' बनने से ऊपर उठाकर एक 'चिंतनशील पेशेवर' (Reflective Practitioner) बना देता है। जब हम अपनी छोटी-छोटी समस्याओं का दस्तावेजीकरण करते हैं और उनके समाधान खुद खोजते हैं, तो हमारा व्यावसायिक आत्मविश्वास एक नई ऊँचाई पर पहुँच जाता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि कोई भी कक्षा समस्याओं से मुक्त नहीं हो सकती, लेकिन एक नवाचारी शिक्षक के पास हर समस्या का समाधान खोजने की वैज्ञानिक दृष्टि होती है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में ऐसी कोई समस्या है जिसे आप इस हफ्ते अपने छोटे से क्रियात्मक अनुसंधान से हल कर सकते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : बांका, अंक-3"

'संपादकीय' ✍️

बांका: कतरनी की महक, तसर कोकुन की आर्थिकी और ओढ़नी डैम का पर्यटन चक्र

बांका की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके सुदूर जनजातीय गाँवों, लोक-कलाओं और शांत प्राकृतिक जलाशयों में धड़कता है। कटोरिया और बेलहर के आदिवासी अंचलों में गूँजती संताली ढोल और मांदर की थाप यहाँ की प्रकृति-पूजक चेतना का प्रतीक है। इसके साथ ही, अमरपुर और शंखा क्षेत्र का कांस्य व पीतल हस्तशिल्प (Bell Metal Craft) और मृदा कलाकृतियाँ (Terracotta) यहाँ के कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी सूक्ष्म क्षमता को दर्शाती हैं। यह सांस्कृतिक ताना-बाना मैदानी और जनजातीय समाजों को परस्पर आर्थिक व सामाजिक ताने-बाने में जोड़कर रखता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांका की सबसे बड़ी पहचान यहाँ की विशिष्ट कृषि और कुटीर उद्योग आर्थिकी है। इस आर्थिकी का मुख्य मुकुटमणि 'कटरनी धान' (Katarani Rice) है। बांका के अमरपुर, जगन्नाथपुर और अमरपुर-बांका सीमांत के खेतों में उगने वाला यह सुगंधित चावल अपनी बेजोड़ खुशबू, स्वाद और पकाने की सुगमता के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है, जिसे भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, कटोरिया, चांदन और बेलहर के घने जंगलों में उगने वाले अर्जुन और असन के पेड़ों पर होने वाला 'तसर रेशम (Silk Cocoon) पालन' यहाँ के हज़ारों आदिवासी और निर्धन परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। यहाँ से उत्पादित कच्चे रेशम को कताई और बुनाई के लिए भागलपुर की मंडियों में भेजा जाता है।

जल-संसाधन और पर्यटन के मोर्चे पर बांका ने हाल के वर्षों में एक नई मिसाल कायम की है। ओढ़नी डैम (Odhni Dam), जो ओढ़नी नदी पर बना एक विशाल जलाशय है, आज बिहार में 'वाटर टूरिज्म' (Water Tourism) और इको-टूरिज्म का सबसे प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। नीली पहाड़ियों से घिरा यह जलाशय न केवल सिंचाई और बड़े पैमाने पर मत्स्य पालन को संबल देता है, बल्कि स्पीड बोटिंग और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण प्रतिदिन हज़ारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। इसके साथ ही, लछमीपुर झील और चांदन जलाशय भी स्थानीय आर्थिकी में सिंचाई और पर्यटन का नया अध्याय जोड़ रहे हैं।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो बांका में 'एग्रो-प्रोसेसिंग' और 'इको-रिलिजियस टूरिज्म' की अपार संभावनाएं हैं। कटरनी चावल का आधुनिक पैकेजिंग व ब्रांडिंग क्लस्टर और तसर रेशम का स्थानीय धागा-प्रसंस्करण केंद्र स्थापित कर यहाँ के कारीगरों को बिचौलियों से मुक्त कर सीधे अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों से जोड़ा जा रहा है। मंदार पर्वत पर निर्मित अत्याधुनिक रोप-वे (Ropeway) और बौंसी-मंदार सर्किट को जैन और हिंदू तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर ढांचागत सुविधाओं से लैस करने के बाद यहाँ धार्मिक पर्यटन में क्रांतिकारी वृद्धि हुई है। ओढ़नी डैम, मंदार पर्वत और कटोरिया के अरण्य क्षेत्रों को एकीकृत कर यदि एक व्यापक 'इको-एडवेंचर सर्किट' विकसित किया जाए, तो यह स्थानीय जनजातीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार का एक वृहद मंच तैयार कर सकता है।

बांका का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने पौराणिक और क्रांतिकारी इतिहास की तरह ही आधुनिक काल में भी अपनी मौलिक पहचान के साथ बिहार के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मंदार की तलहटी में बजते शंखनाद से लेकर ओढ़नी डैम की नीली लहरों तक, कटरनी धान के महकते खेतों से लेकर कटोरिया के रेशम-कोकुन के ताने-बाने तक— बांका प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिक आत्मनिर्भरता का एक अद्भुत मॉडल प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस विशिष्ट पठारी कृषि-आर्थिकी, जीआई उत्पादों के विपणन और वाटर-टूरिज्म के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की भौगोलिक विविधता और विकास की नई दिशाओं को समझने की एक अत्यंत सटीक व प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

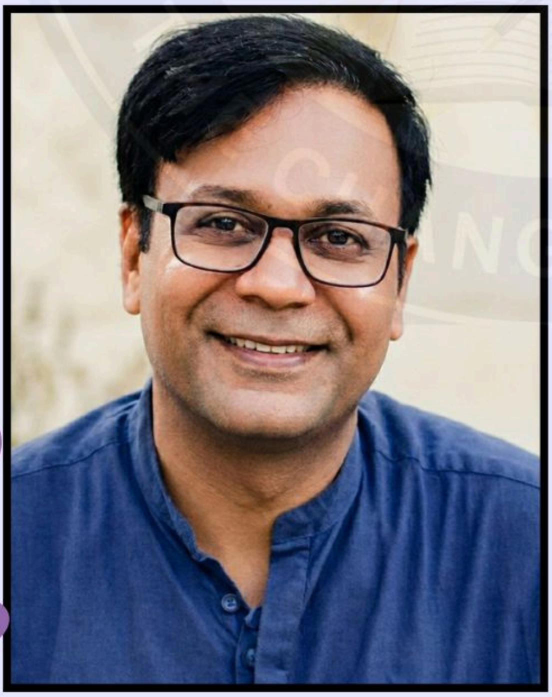

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org